

देशबन्धु

वर्ष - 8 | अंक-224 | सागर, मंगलवार, 3 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ -8 | मूल्य - 3.00 रुपए

ददरी और बा गांव में चल रही
अवैध फैक्ट्री पर छापा

अमृतसर, एजेंसी। कांग्रेस संसद राहुल गांधी ने सोमवार को पवित्र सिख तीरथ्याल हरमंदिर साथि, जिसे स्वर्ण मंदिर कहा जाता है, में मथा टेका। इस दौरान उन्होंने अरदास की और बर्तन धोए। इस दौरान उनके साथ कई कांग्रेस नेता और स्वर्ण मंदिर प्रबंध समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

मेहालय में भूकंप के झटके किए गए महसूस

शिलांग, एजेंसी। नेशनल सेंटर फॉर सीमोलोजेंज ने कहा कि सोमवार शाम को मेहालय के उत्तरी गारो हिल्स क्षेत्र और असम के आसपास के ज़िलों में मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। मध्यम तीव्रता का झटका शाम छह बजे 15 मिनट पर आया। उत्तरी गारो हिल्स व असमपास के पश्चिम व पूर्वी गारो हिल्स ज़िलों के साथ-साथ असम के निकटवर्ती इलाकों में भी जोरदार झटके महसूस किए गए। भूकंप सतह से दस किमी की गहराई पर आया।

दमोह के वरिष्ठ नेता राधवेंद्र सिंह लोधी की घर वापसी



भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय यमवाला, क्षेत्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी पूर्वोदय यादव, पार्टी के प्रदेश अस्पताल व सांसद विष्णुदत्त यादव, क्षेत्रीय मंत्री व प्रेस चुनावी गारी अधिकारी अधिकारी वैष्णव, पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री वितानंद के समस्त दमोह ज़िले के वरिष्ठ नेता राधवेंद्र सिंह लोधी ने घर वापसी की। वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें पार्टी का अंग वस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।

बंगाल के 7 ज़िलों में बाढ़ का अनुमान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी राज्य झारखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लातार बारिश के कारण राज्य के सात ज़िलों में बाढ़ का अनुमान है। झारखंड में ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में ज़री और अनुपम भारी बारिश के सात ज़िलों में लातार बारिश के कारण राज्य के सात ज़िलों में बाढ़ का अनुमान है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में ज़री और अनुपम भारी बारिश के कारण राज्य के सात ज़िलों पश्चिम बंधान, बांकुरा, बीरभूम, पूर्व बंधान, पश्चिम बंधान, हुल्ली और हावड़ा में बाढ़ का प्रवल अनुमान है। मुख्यमंत्री ममता बन्जी ने बाढ़ सुक्ष्मा और प्रबंधन के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाए के लिए संबंधित ज़िलों के साथ तत्काल बच्चुआल बैठक कर समर्पित बनाए का निर्देश दिया।

विपक्ष का विकास विरोधी रुख निंदनीय : पटनायक

भुवनेश्वर, एजेंसी। बीजू जनता दल (बीजू) सुपीयों एवं ऑडिशा के मुख्यमंत्री नवान पटनायक ने सोमवार को विपक्ष की जननायकी और विकास विरोधी रुख की आत्मचाना की और कहा कि विधायक दल ऑडिशा की विकास विरोधी रुख की जननायक ने भी जयंती के दिन प्रदेश भर में बीजू दपदयात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि गलत जननायक देकर लोगों को गुमाह कर रहे हैं। पटनायक ने गांधी जयंती के दिन प्रदेश भर में बीजू दपदयात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि गलत जननायक देकर लोगों को गुमाह कर रहे हैं। उन्होंने जब भी कोई चुनाव होता है तो विपक्ष हमेशा ऐसी गतिविधियों में शामिल होता है लेकिन जनता ने हमेशा उन्हें खारिज कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस का राजधानी पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, देशबन्धु। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण राजगार गारी अधिनियम (मनसेगा) और अन्य योजनाओं के लिए धन की मांग को लेकर सोमवार को राजधानी पर विरोध प्रदर्शन किया। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी सांसद अधिकारी बन्जी ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें छढ़ांजलि दी और फिर पार्टी नेताओं के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ गए।

■ भारत कनाडा बिंगांग: साधान, आगे रहेंगे।

■ सामीनाशन ने भारत को खालीबाज बाले देश से निर्यातक देश में बदल दिया

पृष्ठ 3

■ तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टक्कराई, 15 यात्री हुए घायल

पृष्ठ 4

पृष्ठ 6

गांधी जयंती पर हुए आयोजन, दिलाई स्वच्छता की शपथ

पृष्ठ 7

प्रधानमंत्री ने ग्रालियर से दी प्रदेश को कई सौगातें : 2.21 लाख आवासों में हुआ गृहप्रवेश, 19 हजार करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास, बोले-

आपका एक वोट देगा मध्यप्रदेश को टॉप-3 में लाने की गारंटी



ग्रालियर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने कहा कि बीते सालों में हमारी सरकार बीमारु मध्यप्रदेश को टॉप-10 राज्यों में लेकर आई है। हमारा अगला लक्ष्य मध्यप्रदेश को टॉप-3 राज्यों में लाना है। लेकिन ये काम कौन कर सकता है? इसकी गारंटी कौन दे सकता है? आपका एक वोट ही इसकी गारंटी दे सकता है। उन्होंने कहा कि ये सारे काम डबल इंजन की सरकार के साझा प्रयोगों का परियाम है। केंद्र और राज्य में जो समान सांसारी वाली विकास को समर्पित सरकारों होती हैं, तो काम होते हैं।

वह आज ग्रालियर के मेला ग्राउंड पर प्रधानमंत्री आवास योजना के 2.21 लाख वित्तग्राहियों के गृहप्रवेश और 19 हजार करोड़ की लागत वाली विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास कार्यक्रम के संबंधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज 19 हजार करोड़ की लागत वाली विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास हुआ है कि आपके हाथ तालियां बजाते हुए थक गए होंगे। पहली की सरकारें जिन्हें काम साल भर में करती होंगी, उन्हें जो समाज को बांट रहे हैं और आज भी यही कर रहे हैं।

मोटी पूछता भी है और पूजता भी

भाजपा सरकार हर वर्ग के विकास के लिए समर्पित है। जिन्हें कोई नहीं पूछता भी है और पूजता भी है। क्या 2014 से पहले किसी ने दिव्यांग शब्द सुना था? शारीरिक चुनौतियों से ज़ब रहे हिंदू लोगों को कांग्रेस चुनौतियों से ज़ब रहे हिंदू लोगों को जाति विवाह की चिन्हां की, आधुनिक ■ शेष पृष्ठ 5 पर

विरोधियों को देश की प्रगति से है नफरत

उन्होंने कहा कि विकास विरोधी लोग जिनके पाप विकास की कोई सोच और रोडमें पर्नी है, ये मध्यप्रदेश का विकास नहीं कर सकते। श्री मोदी ने कहा कि इन विकास विरोधियों को देश ने 60 साल दिए, इन सालों में कितना विकास हो सकता था? लेकिन इन्होंने नहीं किया। ये उस समय भी गरीबों की भावनाओं से खेलते रहे, जाति-पांत के नाम पर समाज को बांटते रहे और आज भी यही कर रहे हैं।

कमलनाथ ने गरीबों के घर लौटाए, भाजपा सरकार ने 38 लाख मकान बनवाए : शिवराज

सभा को संबंधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज 2 लाख से ज्यादा गरीब गृह प्रवेश कर अपने घर में जा रहे हैं। प्रदेश के लोगों को 38 लाख मकान बनाकर दिए गए। प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए मकान दिए थे, कमलनाथ ने वापस कर दिए, व्यांकोंक राज्य सरकार का शेरूप न देना पड़े। उन्होंने जीवन मिशन योजना का जिक्र भी इस दौरान किया। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश के लिए मकान दिए थे। उन्होंने गरीबों की चौपांची की मौके पर कहा है कि व्यांक भी इसी चौपांची की मौके पर कहा है।

प्रधानमंत्री जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी और गृही गई है।

मलकापुर के एसडीपीओ देवराम गवली ने कहा कि यह घटना सुवह करीब 5.30 बजे हुई, जब सेव की खेप से लदा एक ट्रक द्वारा खेप से उत्तरकर सड़क मरम्मत की मंत्री और गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्रों में गांधी की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने जीवन में केंद्र के मंत्र



सागर, मंगलवार 3 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

पुरानी पेंशन योजना लागू करे केन्द्र

पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शासकीय कर्मचारियों का विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया था जिसमें 20 राज्यों के लाखों कर्मचारी शामिल हुए। इसका आयोजन नेशनल मूल्यमेंट फॉर्म औलें पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के तत्वावधान में किया गया था। ‘पेंशन शांखनाद महाली’ के नाम से आयोजित इस रैली का उद्देश्य मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के बाजाय पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाना था। इतनी विशाल संख्या में हुए प्रदर्शन से साफ़ कैरि कर्मचारियों का रुक्ण एवं पुरानी पेंशन योजना की ओर है और उसे नवी पेंशन योजना विलकुल रास नहीं आ रही है। इसे देखें हुए केंद्र राजनीतिक लाभ के लिए, कनाडा को आंध्र बनाकर खालिस्तान पर भारत में आंध्रकावाद को बढ़ावा देने में लगे, खालिस्तान समर्थकों के प्रति नरमी बरतने से लेकर उन्हें संक्षण देने तक के आरोप लगाई हैं तो दोनों दोषों में मौजूदा बिगड़ आया ही रहा। केंद्र ने योजना की संवर्द्ध में छोड़ दिया वह आरोप लगाने के बाद आया है कि कनाडा निवारी किन्तु भारत में आंध्रकावाद के लिए बालित, खालिस्तान समर्थक नेता, निजर की हत्या में, भारतीय एंजिसिंयों का हाथ लगाते हैं।

वैसे तो इस मसले को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिये लेकिन यह सच है कि नवी पेंशन योजना को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार व उसके शासित ज्यादातर राज्यों की सरकारों का समर्थन है। दूसरी तरफ जन्मांग और सरकारों के कर्मचारी हैं, वे पुरानी स्कीम चाहते हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, राखंडू और पंजाब में आंध्रकावाद की हत्या और उनके द्वारा है।

दूसरी तरफ एक राजनीतिक विश्वास करने के साथ ही, कनाडा के बाद, मामला सिर्फ़ कहाँ-सुनी तक सीमित नहीं रह करता था और नहीं रहा। ट्रॉडो के संसद में उत्तर आरोप लगाने के बाद, कनाडा ने सुरक्षा मामलों से जुड़े तथा के एक शीर्ष राजनीतिक भागीदारों को निष्कासित भी कर दिया तथा बात और भी बिगड़ते हुए, उसका नाम मिट्टियां में लिक भी कर दिया। जबवाब में भारत ने भी, आरोपों को सिरे से खालित करने के साथ ही, कनाडा के एक राजनीतिक विश्वास करने के लिए प्रतिक्रिया दिया। दोनों और से एक-दूसरे दिशा के लिए प्रतिक्रिया देने के लिए विवाद के समर्थकों ने निजर की एक राजनीतिक विश्वास के दुरुपयोग का आरोप लगाए हुए, उसे भारत में अपने पिछने को सिकोड़ने के लिए भी कह दिया गया।

दूसरी तरफ, भारत के एस ‘मूर्तोड़’ जबवाब के बाद भी, कनाडा के पांच पीछे खींची हैं। उत्तर इस बीच कनाडा-निजर मामले में अपने आरोपों पर यो कहकर जोर और बढ़ा दिया है कि उसके पास भारतीय कूटनीतियों के संवादों के रूप में खुफिया जनकारियाँ हैं, जो संदेशों को पुकार करती हैं। इस दौरान उसने यह कहकर कि एस कावाही आंध्र की लगानी है कि इस मामले में भारत के साथ ज्यादा मदद या समर्थन की उम्मीद नहीं है।

उल्लेखनीय है कि 2004 में यूपीएस की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना की हाफ़ पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की थी जो शेयर बाजार और अन्य निवेशों पर आधारित है। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

पुरानी पेंशन योजना के बाजारी हैं और उस योजना के बाद कर्मचारियों का हुजूम बतलाता है कि यह मुद्दा न केवल इस साल होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर बल्कि 2024 में निर्धारित लोकसभा चुनावों पर भी असर करेगा।

उल्लेखनीय है कि 2004 में यूपीएस की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना की हाफ़ पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की थी जो शेयर बाजार और अन्य निवेशों पर आधारित है। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

पुरानी पेंशन योजना के बाजारी हैं और उस योजना के बाद कर्मचारियों को हुजूम बतलाता है कि यह मुद्दा न केवल इस साल होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर बल्कि 2024 में निर्धारित लोकसभा चुनावों पर भी असर करेगा।

उल्लेखनीय है कि 2004 में यूपीएस की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना की हाफ़ पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की थी जो शेयर बाजार और अन्य निवेशों पर आधारित है। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

इस तरह देखें तो वर्तमान परिस्थितियों में यही पेंशन स्कीम कर्मचारियों के व्यापक हित में है। तत्कालीन सरकार ने जब इसे बन्द किया था तब का आंध्रकावाद के व्यापक हित में है। 2008 की विश्वव्यापी अर्थिक मंदी ने निजी सेक्टर को काफी कमज़ोर किया था, बाबूजूद इसके कि भारत पर मंदी होती है। 1991 में आई नवी अर्थप्रणाली ने कापरिट जगत को गतिशील बना दिया था जिसमें शेयर बाजारों में किया गया निवेश शर्तियाँ तौर पर फायदेमंद संवित्रित होती थी। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

इस तरह देखें तो वर्तमान परिस्थितियों में यही पेंशन स्कीम कर्मचारियों के व्यापक हित में है। तत्कालीन सरकार ने जब इसे बन्द किया था तब का आंध्रकावाद के व्यापक हित में है। 2008 की विश्वव्यापी अर्थिक मंदी ने निजी सेक्टर को काफी कमज़ोर किया था, बाबूजूद इसके कि भारत पर मंदी होती है। 1991 में आई नवी अर्थप्रणाली ने कापरिट जगत को गतिशील बना दिया था जिसमें शेयर बाजारों में किया गया निवेश शर्तियाँ तौर पर फायदेमंद संवित्रित होती थी। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

इस तरह देखें तो वर्तमान परिस्थितियों में यही पेंशन स्कीम कर्मचारियों के व्यापक हित में है। तत्कालीन सरकार ने जब इसे बन्द किया था तब का आंध्रकावाद के व्यापक हित में है। 2008 की विश्वव्यापी अर्थिक मंदी ने निजी सेक्टर को काफी कमज़ोर किया था, बाबूजूद इसके कि भारत पर मंदी होती है। 1991 में आई नवी अर्थप्रणाली ने कापरिट जगत को गतिशील बना दिया था जिसमें शेयर बाजारों में किया गया निवेश शर्तियाँ तौर पर फायदेमंद संवित्रित होती थी। योग्य बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृति के समय अंतिम मूल बेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की काई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के बेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के बेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में प्रेस्युली ग्राविंडॉर फॅट उपलब्ध नहीं है।

इस तरह देखें तो वर्तमान परिस्थितियों में यही पेंशन स्कीम कर्मचारियों के व्यापक हित में है। तत्कालीन सरकार ने जब इसे बन्द किया था तब का आंध्रकावाद के व्यापक हित में है।



विकास किया है - विकास करेंगे



₹6940 करोड़
लागत की
भोपाल मेट्रो का
द्रायल एन फ्लैग ऑफ

सुभाष नगर, भोपाल | पूर्वाह्न 11:00 बजे

महिला स्व-सहायता
समूह सम्मेलन एवं
शज्य स्थाईय
1400 स्कूटी व अृण वितरण

जम्बूरी मैदान, भोपाल | दोपहर 12:30 बजे

तथा

स्टेट मीडिया सेन्टर का
भूमिपूजन

मालवीय नगर, भोपाल | दोपहर 12:00 बजे

मुख्यमंत्री

शिवदाज सिंह चौहान
द्वारा

3 अक्टूबर, 2023



भोपाल मेट्रो

आवागमन का तेज, सुरक्षित, आधुनिक
और आरामदेह साधन
उपलब्ध होने के साथ हरित ऊर्जा से
होगा पर्यावरण संरक्षण

स्टेट मीडिया सेन्टर

यह सेन्टर सार्थक और प्रासंगिक मीडिया
गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र बनेगा,
नये भवन में सभागार, पुस्तकालय,
सामान्य कक्ष व अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी

महिला स्व-सहायता समूह

4 लाख 50 हजार से अधिक स्व-सहायता समूहों
के माध्यम से 53 लाख से अधिक महिलायें हुईं
आत्मनिर्भर। ₹5 हजार 800 करोड़ से अधिक का
क्रेडिट लिंकेज

